आगरा-जयपुर राजमार्ग पर तीसरे दिन भी जाम, समझाइश का नहीं हुआ असर

संघर्ष समिति संयोजक को रिहा करने की जिद पर प्रदर्शनकारी, राजमार्ग पर सैनी समाज के आन्दोलन का मामला

नदबई/भरतपुर, (निसं)। सैनी समाज की ओर से 12 प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर आगरा जयपुर राजमार्ग पर अरोंदा के समीप चक्का जाम कर आन्दोलन के मामलें में जिला प्रशासन की ओर से सीआई राधेश्याम सांखला व तहसीलदार ताराचंद सैनी ने धरनास्थल पर पहुंच सैनी समाज के लोगों से बातचीत की।

साथ ही वार्ता को लेकर 11 सदस्यीय कमेटी गठित करने को कहा। सैनी समाज के लोगों ने आगामी रणनीति को देखते हुए कमेटी गठित करने की कवायद की। लेकिन, देर शाम तक कमेटी गठित नही होने के चलते जिला प्रशासन व प्रदर्शनकारियों के बीच वार्ता नही हो सकी। ऐसे में आगरा जयपुर राजमार्ग पर नदबई क्षेत्र के गांव अरोंदा के समीप तीसरे दिन भी पूरी तरह से जाम की स्थिति बनी हुई है। उधर, आन्दोलनस्थल पर युवाओं के बाद अब महिलाएं भी मोर्चा संभालती नजर आ रही। आरक्षण की मांग को लेकर आन्दोलनस्थल पर भारी संख्या में महिलाएं नजर आ रही। साथ ही लोकगीत गाते हुए युवाओं की हौसला अफजाई कर रही।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर अरोंदा के समीप सैनी समाज के लोगों ने आरक्षण की मांग को लेकर शुक्रवार देर शाम जाम लगा दिया। संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा, जिला कलक्टर आलोक रंजन, पुलिस आईजी गौरव श्रीवास्तव, जिला एसपी श्याम सिंह के अधिकारी लगातार सैनी समाज के लोगों से वार्ता करने का प्रयास कर रहे। लेकिन, प्रदर्शनकारी पहले संघर्ष समिति संयोजक को रिहा करने व बाद में वार्ता करने की जिद पर अडे हुए है।

माली सैनी शाक्य मार्य व कुशवाहा समाज के प्रतिनिधिमंडल ने फुले आरक्षण संघर्ष समिति सह संयोजक पप्पू भाई प्रधान के नेतृत्व में जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंप कर फुले आरक्षण संघर्ष समिति के संयोजक मुरारी लाल सैनी सहित गिरफ्तार किए गए अन्य लोगों की रिहाई की मांग की। प्रतिनिधि मंडल में श्याम सुंदर सुरोठ, भाग चंद सैनी, श्री राम सैनी आदि मौजूद रहे। माली सैनी शाक्य मार्य व कुशवाहा समाज के लोग पिछले तीन दिनों से 12 प्रतिशत आरक्षण एवं अपने नेताओं की रिहाई की मांग को लेकर नेशनल हाइवे स्थित अरौंदा के पास रास्ते को जाम किए आंदोलनरत हैं। प्रशासन के द्वारा लगातार उन्हें अपना आंदोलन समाप्त कर सरकार से वार्ता करने के लिए समझाइस की जा रही है। लेकिन अभी सफलता प्राप्त नहीं हो पाई है। अब आंदोलनकारियों की मुख्य मांग है कि फुले आरक्षण संघर्ष समिति के संयोजक मुरारी लाल सैनी सहित सभी लोगों को छोड़ा जाए।

एडवाइजरी बोर्ड के बजाय लवकुश बोर्ड गठित किया जाए, जिसमें अध्यक्ष, मेंबर और डेवलपमेंट के लिए फंड हो, समाज के लिए 12 प्रतिशत आरक्षण दिया, क्योंकि प्रदेश में समाज की जनसंख्या 12 प्रतिशत से ज्यादा है। रोहिणी कमीशन के जरिए समाज का सर्वे करवाया जाए। प्रशासन के द्वारा लगातार की जा रही समझाइस के बाद देर शाम फुले आरक्षण संघर्ष समिति सह संयोजक पप्पू भाई प्रधान के नेतृत्व में प्रतिनिधिमण्डल ने जिला कलेक्टर से मिलकर अपनी बात रखी। इस बारे में फुले आरक्षण संघर्ष समिति के सह संयोजक पप्पू सैनी का कहना है कि मुख्यमंत्री से बात हुई है। उन्होंने सरकार को 12 प्रतिशत आरक्षण की बात बता दी है। सरकार भी कानूनी दृष्टिकोण से वार्ता को तैयार है।

आरक्षण की मांग को लेकर हाइवे पर जमी महिलाएं।

डॉक्टर्स के बाद स्कूल संचालक करेंगे विरोध

26 को मुख्यमंत्री के सामने करेंगे प्रदर्शन

बीकानेर, (कासं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की 26 अप्रैल को बीकानेर में होने वाली राजनीतिक सभा के रंग में भंग डालने के लिए प्राइवेट स्कूल्स के टीचर्स लामबंद हो रहे हैं। दरअसल, राज्यभर के दस हजार से ज्यादा स्कूल्स को पिछले साल फ्री एडमिशन वाले एक लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स की फीस अब तक नहीं मिली है। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय की लापरवाही के चलते ये परेशान प्राइवेट स्कूल्स के संचालक अब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के समक्ष विरोध प्रदर्श करेंगे।

गहलोत 26 अप्रैल को बीकानेर में आ रहे हैं। स्कूल एज्यूकेशन वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष कोडाराम भादू ने बताया कि राजस्थान के 10 हजार 465 स्कूल्स को शिक्षा सत्र 2022-23 की फीस अब तक नहीं मिली है। ये हालात तब है जब राज्य सरकार बजट दे चुकी है, फाइनेंस डिपार्टमेंट स्वीकृति दे चुका है। शिक्षा निदेशालय स्तर पर रही लापरवाही के चलते करीब 180 करोड़ रुपए का भुगतान अटका हुआ है। प्राइमरी से जुड़े स्कूल्स को ये भुगतान मिल गया लेकिन सेकंडरी एज्यूकेशन से जुड़े अधिकांश स्कूल भुगतान को तरस रहे हैं। उदयपुर और श्रीगंगानगर के कुछ स्कूल्स को

■ **आरटीई के तहत फ्री पढ़ाने वाले दस हजार स्कूल्स को नहीं मिली फीस**

छोड़कर राज्य के अधिकांश स्कूल्स को फीस नहीं मिली है। भादू ने बताया कि उन्होंने इस बारे में शिक्षा निदेशालय से संपर्क किया लेकिन सही जवाब नहीं मिला। इसके बाद जयपुर में फाइनेंस डिपार्टमेंट से संपर्क किया। तब बताया गया कि भुगतान हो चुका है लेकिन स्कूल्स को अब तक नहीं मिला।

मीडिया प्रभारी ने बताया की शिक्षा सत्र 2022- 23 में निशुल्क पढ़ ाए गये। विद्यार्थियों के बिल विभाग द्वारा बनाकर ट्रेजरी को भेज दिए गए। ट्रेजरी ने पास करके जयपुर फाइनेंस डिपार्टमेंट को 25 मार्च से पहले ईसीएस के लिए भेज दिए गए। फाइनेंस डिपार्टमेंट ने अब तक ईसीएस नहीं किया है। इस वजह से स्कूलों को भुगतान नहीं हो रहा है। यह भुगतान 31 मार्च से पहले हो जाना चाहिए था। संपूर्ण शिक्षा सत्र बीत चुका है। इसलिए दोनों किस्तों का भुगतान एक साथ होना चाहिए। शिक्षा सत्र 2018-19 व 2019-20 का प्रदेश के हजारों स्कूलों का भूगतान तिथि का बैरियर लगाकर रोका हुआ है। शिक्षा सत्र 2020-21 का ऑफलाइन के नाम पर भुगतान रोका हुआ है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 26 अप्रैल को बीकानेर के जसरासर में किसान सम्मेलन में हिस्सा लेने आ रहे हैं। इसी दौरान बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ व चूरू के प्राइवेट स्कूल संचालक एकत्र होंगे। ये सभी लोग जनता के बीच में रहेंगे और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का विरोध करेंगे। संगठन का उद्देश्य मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित करना रहेगा। बैठक में जिलाध्यक्ष चूरू से हेतराम घिंटाला, हनुमानगढ से गुरुदेव सिंह, गंगानगर से खाली राम साहू, ब्लॉक अध्यक्ष श्री डूंगरगढ़ से ओमप्रकाश , मनोज गुंसाई, लूणकरणसर से मनोज शर्मा, मोतीगढ़ से सद्दाम हुसैन, पुगल से पेमाराम, छतरगढ से बद्रीनारायण गर्ग, खाजूवाला से अनिल कस्वां, बज्जू से शिवकरण कड़वासरा, पांचू से राजाराम बिश्नोई, नोखा से पुनाराम गोदारा व जसरासर से प्रेमकांत तरड ने अपने विचार व्यक्त किए।

सड़क किनारे व्यापारी का शव मिला

सूचना के बाद कस्बे व आस-पास के लोग घटनास्थल पर जमा हो गए।

अलवर, (निसं)। अलवर के लक्ष्मणगढ़ के ऑटो पार्ट्स व्यापारी दिनेश शर्मा (40) पुत्र श्रीराम का शव रविवार सुबह करीब 5.30 बजे सड़क किनारे मिला। व्यापारी के मुंह व हाथ पर चोट के निशान भी थे। पुलिस ने हत्या की आशंका जताई है। मौके पर जुटे लोगों व परिजनों ने हत्यारों की गिरफ्तारी, मृतक की पत्नी को नौकरी व आर्थिक मुआवजे की मांग की। मौके पर कई थानों की पुलिस व कस्बे और आसपास के लोगों की भीड़ लग गई।

■ **पुलिस ने हत्या की आशंका जताई, लोग विरोध में उतरे**

दिनेश की पत्नी सीमा शर्मा ने बताया कि पति शनिवार शाम को शादी समारोह में जाकर लौटे थे, इसके बाद वे किसी का फोन आने पर गए। शाम करीब 7 बजे उनकी बात हुई थी, तब कहा था कि वे जल्दी घर आ जाएंगे। लेकिन उसके बाद दिनेश न घर आए न उनका फोन लगा। परिवार ने रात को भी तलाश की, अगले दिन रविवार सुबह 5:25 बजे दिनेश शर्मा का शव मालाखेड़ा रोड पर बावड़ी से 100 मीटर दूर रोड किनारे पड़ा मिला। इसके बाद परिजनों को सूचना मिली। फिर कस्बे व आसपास के लोग जुट गए। लोगों का कहना था कि हत्या के आरोपियों को पकड़ा जाए। मृतक की पत्नी को नौकरी व आर्थिक सहायता मिले। मृतक दिनेश शर्मा के दो बच्चे हैं, दोनों स्कूल में पढते हैं। लोगों की भीड के कारण रोड पर जाम लग गया। मौके पर पुलिस डीएसपी डीएसपी राजेश शर्मा, एसडीएम सुभाष, एसएचओ अवतार सिंह, बडौदामेव एसएचओ हितेश, गोविंदगढ एसएचओ ताराचंद सहित बडी संख्या में पुलिस जाब्ता पहुंचा। इस घटना के विरोध में जैसे-जैसे लोगों को पता लगा। आसपास कई जगह जाम लगा दिया। रास्ते खुलवाने में पुलिस को मशक्कत करनी पडी। फिलहाल पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। पुलिस ने समझाइश कर जाम खुलवाया।

दतवास पुलिस ने फर्जी आई.ए.एस. को दबोचा

दतवास थाने में गिरफ्तार फर्जी आईएएस।

निवाई, (निसं)। दतवास पुलिस ने पुलिस वृत्ताधिकारी संदीप सारस्वत के निकट सुपरविजन पुलिस की टीम ने फर्जी आईएएस को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने बताया कि खुद को आईएएस बताकर आरोपी इंद्राज मीणा ने कहा कि मेरे पिता प्रभुलाल पुत्र गोपाललाल मीणा निवासी बरथला ने पुलिस थाना दत्तवास में 28 मार्च 2023 को एक रिपोर्ट पेश की थी जिस पर पुलिस द्वारा अब तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है। इस पर पुलिस द्वारा व्यक्ति का नाम पूछने पर व्यक्ति ने अपना नाम इंद्राज मीणा पुत्र प्रभु लाल मीणा निवासी भरथला थाना दतवास होना बताया और स्वयं को आईएएस अधिकारी बताया एवं वर्तमान में आईएएस की ट्रेनिंग लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी मसूरी उत्तराखंड में करना बताया।

आरोपी युवक ने अपने पद की धोंस देते हुए आवेश में आकर कहने लगा कि मेरे पिता प्रभुलाल मीणा द्वारा दी गई रिपोर्ट पर अब तक पुलिस ने क्यों कार्यवाही नहीं की है। मैं वर्तमान में 1 आईएएस की ट्रेनिंग कर रहा हूं और पुलिस एक ट्रेनीज आईएएस के पिता की कोई मदद नहीं कर रही है। आप जनता की क्या मदद करोगे। जिस पर थाना उपनिरीक्षक प्रशिक्षु विजय कुमार ने पूछा की आप कौन से बैच के आईएएस अधिकारी हो और वर्तमान में कहां पर पद स्थापित हो। अपनी आईडी व अन्य दस्तावेज हो तो पेश करें जिस पर आरोपी इंद्राज मीणा कहने लगा कि मैं वर्ष 2021 के बेच का आईएएस अधिकारी हूं। वर्तमान में लाल बहादुर शास्त्री प्रशासनिक अकादमी मसूरी उत्तराखंड आईएएस की ट्रेनिंग कर रहा हूं। मेरे पास कोई आईडी और अन्य दस्तावेज नहीं है। पुलिस ने जब युवक से गहनता से पूछताछ करने लगी तो युवक घबरा गया और कहने लगा कि मैं अभी भारतीय सिविल सर्विस की परीक्षा पास की है। मैं वर्तमान में कोई भी आई एस की ट्रेनिंग नहीं कर रहा हूं। मैं तो केवल अपने पिता की रिपोर्ट पर कार्रवाई करने हेतु अपने आप को आईएएस होना बताया था।

आज से बी.कॉम की परीक्षाएं

जोधपुर, (कासं)। जय नारायण व्यास यूनिवर्सिटी के जोधपुर, पाली, जालौर, बाड़मेर और जैसलमेर जिलों से संबद्ध सभी महाविद्यालयों की बीकॉम की परीक्षा 24 अप्रैल से शुरू होगी। इसमें बीकॉम फर्स्ट ईयर, सेकेंड ईयर, फाइनल ईयर की परीक्षा शामिल हैं। बीसीए प्रथम, द्वितीय और अंतिम वर्ष की परीक्षाएं 6 मई से शुरू होगी। इसको लेकर टाइम टेबल भी यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर जारी कर दिया गया है। एडमिट कार्ड भी ऑनलाइन प्राप्त कर सकते हैं। परीक्षा नियंत्रक ने बताया यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर परीक्षा से संबंधित समय सारणी अपलोड कर दी गई है। स्टूडेंट्स वेबसाइट पर जाकर पूरा शेड्यूल देख सकता। वहीं अपने एडमिट कार्ड में प्राप्त कर सकते हैं।

नकली दूध बनाने की फैक्ट्री पकड़ी

नोहर में डीएसटी टीम कार्रवाई, एक आरोपी को किया गिरफ्तार

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले के नोहर क्षेत्र के जसाना गांव में बड़ी मात्रा में नकली दूध बनाने का भंडाफोड़ हुआ है। इस दौरान मौके से हथकड़ शराब भी बरामद की है। डीएसटी ने कार्रवाई करते हुए मौके से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा 6 केन नकली दूध की और करीब 250 लीटर से अधिक नकली दूध बनाने वाला कैमिकल जप्त किया है। इस दौरान 3 लीटर हथकड शराब भी बरामद हुई हैं।

पुलिस ने मौके से राजकुमार पुत्र हनुमान प्रसाद सहारण निवासी जसाना को गिरफ्तार किया गया हैं। इस संबंध में फेफाना पुलिस थाना में राजकुमार के खिलाफ अवैध शराब और नकली दूध बनाने के संबंध में मामला दर्ज किया गया हैं। कार्रवाई के दौरान खाद्य विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाया गया। प्रारम्भिक पूछताछ में पता चला हैं कि आरोपित पिछलें 5-6 महीने से नकली दूध बनाने का काम कर रहा था। राजकुमार गांव में डेयरी चलाता हैं। डेयरी के आड़ में केमिकल से नकली दूध बनाने का काम करता था। पूछताछ में पता चला हैं कि कम समय में ज्यादा पैसे कमाने के चक्कर में उसने ये धंधा शुरू किया था। मौके पर से जब्त कि गई हथकड शराब भी राजकुमार ने ही पिछलें दिनों बनाई थी।

बेमौसम बारिश ने बिगाड़ा रसोई का जायका, किसान भी परेशान

बीकानेर, (कासं)। बेमौसम बारिश ने ना केवल किसानों की मुश्किलें बढ़ाई है, बल्कि रसोई का जायका भी बिगाड़ा है। गेहूं, जीरा, सरसों, चना और इसबगोल की फसलें इस कदर खराब हुई कि इसबगोल और जीरे की कीमतें आसमान छूने लगीं। वहीं गेहूं की फसल खराब होने से उसकी चमक फीकी पड़ गई। पिछले वर्ष तक 140 से 200 रुपए किलो बिकने वाला जीरा वर्तमान में 500 से 600 रुपए प्रति किलो तक बिक रहा है।

वहीं इसबगोल की कीमतें थोक में 200 से 220 रुपए तक पहुंच गई। जबकि बारिश और आंधी से पहले यह 60-70 रुपए प्रति किलो थोक में बिक रहा था। बारिश से चने और गेहूं की फसल को भी खासा नुकसान पहुंचा है। हालांकि इनकी कीमतों में फिलहाल कोई तेजी देखने को नहीं मिल रही, लेकिन किसानों को हुए नुकसान के कारण आगामी दिनों में इसकी कीमतें भी बढ़ ने का अनुमान लगाया जा रहा है। बारिश और आंधी के कारण गेहूं और चने की क्वालिटी काफी गिर चुकी है। किसानों को इनमें फफूंद लगने का डर सता रहा है। किसान को गेहूं को समर्थन मूल्य भी नहीं मिल रहा है। बाजार में 2125 रुपए प्रति क्विंटल से नीचे बेचने के लिए मजबूर हैं।

श्रीगंगानगर रोड स्थित मुख्य अनाज मंडी में इन दिनों जीरे और ईसबगोल की आवक पर ब्रेक लगा हुआ है। बीकानेर के नोखा में प्रतिदिन

■ **गेहूं, जीरा, सरसों, चना और इसबगोल की फसलें इस कदर खराब हुई कि इसबगोल और जीरे की कीमतें आसमान छूने लगीं हैं**

2500 से 3 हजार बोरी इसबगोल की आवक हो रही है, वहीं जीरे की नाममात्र आवक हो रही है। कच्ची आढ़त व्यापार संघ के अध्यक्ष जगदीश पेड़ीवाल ने बताया कि जीरे और इसबगोल की आवक इस वर्ष बिल्कुल भी नहीं हो रही।

नागौर और नोखा मंडी में भी नाममात्र की आवक हो रही है। बेमौसम हुई बारिश और आंधी के कारण बीकानेर सहित जैसलमेर, नोखा, नागौर तथा गुजरात बेल्ट के उंझा में उत्पादित जीरे और ईसबगोल की फसल लगभग 70 फीसदी खराब हो चुकी है। ऐसे में इसका असर एक्सपोर्ट पर पड़ेगा। वहीं गेहूं का एक्सपोर्ट बंद है। ऐसे में खराब क्वालिटी का दंश किसानों और आमजन को भुगतना पड़ेगा। जिंसों के जानकार बालेश कूकणा ने बताया कि किसानों को हुए आर्थिक नुकसान का खमियाजा बाजार को भी भुगतना पड़ेगा। किसानों की जेब से निकलने वाला पैसा ही बाजार में घूमता है। इस वर्ष सरसों, गेहूं, चना, जौ, इसबगोल, जीरा सहित अन्य फसलें खराब हुई है।

नापासर के किसान रूपाराम जाट ने बताया कि फसल खराबे के कारण किसानों को हुए नुकसान की भरपाई सरकार को करनी चाहिए। बिजान के दौरान जो खर्च किसानों की जेब से लगा था, वह भी नहीं निकल रहा है। सरकार को जल्द आर्थिक पैकेज की घोषणा करनी चाहिए।

सुशीला शर्मा गृहिणी ने बताया कि खाने का जायका बढ़ाने वाले जीरे और औषधि के रूप में काम इसबगोल की कीमतों में मानो आग लग गई हो। महंगाई के कारण अब इनकी खरीद आधी करने के साथ ही उपयोग भी कम कर दिया है। सरकार ने अगर महंगाई पर नियंत्रण नहीं किया तो गेहूं और चने की कीमते बढ़ सकती है। इससे पहले मसालों की कीमतों में बेतहाशा बढ़ ोतरी हुई थी।

मा.शि.बो. परीक्षाओं के मानदेय राशि में 11वर्षों में कोई परिवर्तन नहीं

बीकानेर, (कासं)। महंगाई पिछले ग्यारह वर्षों से लगातार बढ़ती जा रही है। इस कारण सब कुछ महंगा हो गया। विभिन्न सरकारी कार्यों की राशि में भी बढोतरी की गई।शिक्षक नेता मोहर सिंह सलावद ने बताया की राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर की ओर से प्रतिवर्ष आयोजित की जो वाली परीक्षाओं में विभिन्न कार्यों के लिए दिए जाने वाले मानदेय में बीते ग्यारह वर्षों में सब कुछ महंगा होने पर विभिन्न सरकारी कार्यों के लिए निर्धारित राशि में बढोतरी की, लेकिन राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर की ओर से प्रति वर्ष आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं में विभिन्न कार्यों के लिए दिए जाने वाले मानदेय की राशि में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। जो की बेहद ही चिंताजनक है।

परीक्षाओं की उत्तरपुस्तिका मूल्यांकन के लिए वरिष्ठ अध्यापक व व्याख्याताओं को बतौर परीक्षक के कार्य करने के साथ-साथ उन्हें उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन का अतिरिक्त कार्य करना होता है। जिसके लिए बोर्ड अतिरिक्त मानदेय के रूप में दसवीं के लिए 14 रुपए और बाहरवीं के लिए 15 रुपए की राशि प्रति उत्तरपुस्तिका प्रदान की जाती है। जो की

■ **बोर्ड परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन की राशि मात्र 14 से 15 रुपए**

वर्तमान की महंगाई के दौर में ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। ग्यारह वर्षों में भी नहीं बढ़ाई राशि बोर्ड परीक्षा के लिए विभिन्न कार्यों के लिए निर्धारित पारिश्रमिक दरों में 2012 के बाद दस वर्षों बाद भी कोई वृद्धि नहीं की गई। जबकि बोर्ड परीक्षा के आवेदन लेते समय विद्यार्थियों से लिया जाने वाला शुल्क दो तीन वर्ष बाद बढ़ाया जा रहा है। वर्तमान में प्रति विद्यार्थी 600 रूपए बोर्ड परीक्षा का आवेदन शुल्क लिया जा रहा है। प्रतिवर्ष बढ़ ती महंगाई को ध्यान में रखते हुए पारिश्रमिक दरों में भी वृद्धि की जानी चाहिए ताकी कुछ लाभ मिल सके। शिक्षकों की मानें तो महंगाई के इस दौर में इस राशि से एक पेन ही बड़ी मुश्किल से खरीदा जा सकता है। वर्तमान में एक अच्छे पेन के भी दस से 15 रूपए लगते हैं, एक पेन से करीब ती उत्तरपुस्तिकाओं का ही मूल्यांकन हो पाता है। इसलिए प्रति उत्तरपुस्तिका के लिए मिलने वाली इस राशि में से 50 प्रतिशत राशि तो अकेले पेन पर ही खर्च हो जती है। मूल्यांकन के लिए खर्च किए जाने वाले अतिरिक्त समय के लिए पर्याप्त राशि भी नहीं मिल पाती है। ओर ये राशि भी एक वर्ष बाद मिलती है।

उत्तरपुस्तिका मूल्यांकन के लिए मिलने वाले कम मानदेय के कारण हर कोई आसानी से उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन करना भी नहीं चाहता। लेकिन कार्य नहीं करने पर बोर्ड की ओर से दिए जाने वाले नोटिस के कारण वरिष्ठ अध्यापक व व्याख्याता को ये कार्य करना पड़ता है। वर्तमान की पारिश्रमिक दरें उत्तरपुस्तिका मूल्यांकन मानदेय प्रति उत्तरपुस्तिकामाध्यमिक 14, उच्च माध्यमिक 15 रूपए परीक्षा केन्द्र कार्य के लिए प्रतिदिवस केंद्राधीक्षक 150 अतिरिक्त केंद्राधीक्षक 110 वीक्षक 90 निरीक्षण के लिए देय राशि जिला शिक्षा अधिकारी 2000 एक मुश्त उडन॰दस्ता संयोजक 525 प्रति दिवस उड़नदस्ता सदस्य 425 रूपए प्रतिदिवस है।

शिक्षक नेता मोहर सिंह सलावद ने ध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर की बोर्ड परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिका जांचने का कार्य करने वाले शिक्षकों को मिलने वाले मानदेय की राशि को लगभग 11 वर्षों से नहीं बढ़ाया। जबकि महंगाई भत्ते सरकार कार्मिकों के हर वर्ष दो बार बढ़ाती है।

दिन में छाया रहा अंधेरा, दोपहर बाद हुई बरसात

वाहन चालकों को दोपहर में ही हेड लाइट जला कर सफर करते हुए देखा गया

आसमान में छाए हुए काले बादल एवं धूल का गुबार।

निवाई, (निसं)। उपखंड मुख्यालय सहित शहर में रविवार को दोपहर बाद धूल भरी तेज हवाएं चलती रही एवं घने काले बादल छाए रहे। जिससे दिन में ही अंधेरा छाया रहा। रविवार को दोपहर बाद अचानक धूल भरी आंधी चलने लगी एवं आसमान में घने काले बादल छाए रहे एवं मिट्टी के गुब्बारे दिखाई दिए। इस दौरान बिजली की जोरदार गडगडाहट से लोग सहम गए।

इस दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग सहित अनेक सडक मार्गों पर वाहन चालकों को दोपहर में ही हेड लाइट जला कर सफर करते हुए देखा गया। वहीं बादलों की तेज गडगडाहट होने से लोग सहम गए एवं घरों से बाहर नहीं निकले। इस दौरान घंटों बिजली गूल रही जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पडा। दोपहर बाद अचानक बरसात हुई जिससे गर्मी से निजात मिली।

आंधी-तूफान से कई फीडर फॉल्ट व पोल भी टूटे

मनोहरपुर, (निसं)। आंधी और तूफान तीव्र गति से आने पर आसपास एवं दूरदराज में धूल के बादल छाए रहे इससे व्यापारियों की दुकानों में धूल भर गई जिससे सामान खराब हो गया व राहगीरों को अत्यधिक परेशानी हुई सड़क पर यातायात का जाम लग गया।

इधर त्रिपाल उड़ने व छत पर सूखते हुए कपड़े आसमान में उड़ते हुए दिखाई दिये। कनिष्ठ अभियंता मनोहरपुर व कनिष्ठ अभियंता चंदवाजी के अधीन आने वाले कुछ गांव में विद्युत पोल टूटने व लाइन फाल्ट होने की भी खबरें मिल रही है। इधर कर्मचारियों ने अभिलंब लाइन के फाल्ट को निकालकर लाइन दुरुस्त कर जनता को राहत पहुंचा रहे हैं। कनिष्ठ अभियंता राकेश कुमावत ने बताया कि नवलपुरा में एक सिंगल फेस के ट्रांसफार्मर का पोल टूट गया है। कनिष्ठ अभियंता चंदवाजी के रणवीर सिंह ने बताया कि 33/11 केवी चंदवाजी जीएसएस से 11 केवी फीडर सुंदरपुरा , अरनिया क्रेशर , कंवरपुरा 2 , लखेर फीडर फाल्ट हो गए हैं। इसी प्रकार 33/11 केवी जीएसएस चक मनोहरपुर से 11 केवी चक मनोहरपुर फीडर और 33 /11 केवी जीएसएस कंवरपुरा से अरनिया फीडर का तार टूटा हुआ है।